भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3225

जिसका उत्तर दिनांक 23.03.2022 को दिया जाना है

परमाणु विद्युत का उत्पादन

3225. श्री एस. ज्ञानतिरावियम :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शताब्दी समाप्ति तक परमाणु विद्युत के उत्पादन हेतु सरकार द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या परमाणु विद्युत के उत्पादन को निजीकृत करने का प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई; और

(ङ) परमाणु विद्युत उत्पादन में वृद्धि हेतु अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं ताकि शताब्दी के अंत तक निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिए जाएं;

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) शताब्दी (वर्ष 2100) के अंत तक नाभिकीय विद्युत का लक्ष्य अभी निर्धारित नहीं किया गया है । वर्तमान में, 6780 मेगावाट की वर्तमान नाभिकीय विद्युत क्षमता को वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

(ख) वर्तमान में निर्माणाधीन परियोजनाओं (8700 मेगावाट) के अतिरिक्त, सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में प्रत्येक 700 मेगावाट क्षमता के दस स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित करने के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट तक पहुंचने की आशा है जिसमें भाविनी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) [500 मेगावाट] शामिल है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) उपरोक्त 'ग' के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) संस्वीकृत परियोजनाओं के साथ-साथ, सरकार ने निम्नलिखित पांच नए स्थलों पर नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है :

स्थल और स्थान	क्षमता (मेगावाट)	के सहयोग से
जैतापुर, महाराष्ट्र	6 X 1650	फ्रांस
कोव्वडा, आंध्र प्रदेश	6 X 1208	संयुक्त राज्य अमेरिका
छाया, मिठी विरडी, गुजरात	6 X 1000*	
हरिपुर, पश्चिम बंगाल	6 X 1000*	रूसी परिसंघ
भीमपुर, मध्य प्रदेश	4 X 700	स्वदेशी

'*' निम्न क्षमता

*****